

अच्छी पहल • रैंकिंग के लिए 130 बिंदुओं के आधार पर मूल्यांकन का प्रारूप तैयार नैक की तर्ज पर अब राज्य सरकार भी देगी 250 सरकारी कॉलेजों को रैंकिंग

एजुकेशन रिपोर्टर, जयपुर

राज्य सरकार एनुअल ऑडिटिंग प्रोग्राम (आप) के तहत प्रदेश के 250 से ज्यादा सरकारी कॉलेजों का मूल्यांकन कर रैंकिंग देगी। उच्च शिक्षा विभाग ने अक्टूबर के अंत में ही इसका प्रथम चरण पूरा करने की प्लानिंग की थी। हालांकि अभी इसके लिए अधिकारियों, कर्मचारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। रैंकिंग के लिए 130 बिंदुओं के आधार पर मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया गया है। केन्द्र सरकार के मानव संसाधन विभाग द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों को नैक ग्रेडिंग दी जाती है। कॉलेजों के सतत मूल्यांकन को देखते हुए ही सरकार ने 'आप' प्रोग्राम शुरू किया था। इससे संस्थाओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण तैयार करने और संस्थानों को राज्य के बाहर भी पहचान दिलाने के प्रयास किये जा रहे हैं। शिक्षा विभाग का कहना है कि जो कॉलेज इस रैंकिंग में पिछड़ेगा उसके कारणों की जांच करके सुधार किये जाएंगे।

कॉलेजों को रैंकिंग देने के आठ आधार, टीमों को दी जा रही है ट्रेनिंग

कॉलेजों में बेहतर परिणाम के लिए सतत मूल्यांकन करवाने और रिपोर्ट के आधार पर योजनाएं तैयार करने की वास्तविक जरूरत को देखते हुए यह प्रोग्राम शुरू किया गया है।

मूल्यांकन में कॉलेजों की शिक्षण व्यवस्था, छात्र सहायता केन्द्रित व्यवस्था, संस्थागत व्यवस्था, संस्थागत प्रबंधन, संकाय सदस्यों को विकास के अवसर, संकाय सदस्यों का गुणात्मक मूल्यांकन, संस्थाओं की सामाजिक विकास में

भागीदारी एवं संस्थाओं द्वारा अनुकरणीय कार्यों को शामिल किया गया है। 33 जिलों की जिला संसाधन सहायता समितियों के अध्यक्षों और प्रभारियों को ट्रेनिंग दी जा रही है। सबसे पहले मूल्यांकन फार्मेट में कॉलेज अपनी रिपोर्ट भरेंगे, जिसका सत्यापन अलग-अलग कॉलेजों से आने वाले सदस्यों की टीम करेगी। राज्य स्तरीय इस मूल्यांकन कार्य के लिए 50 से अधिक टीमें गठित की जा रही हैं।

रैंकिंग देने के लिए तैयारियां तेज करने के निर्देश

कॉलेजों के मूल्यांकन का प्रथम चरण अक्टूबर के अंत तक पूरा करने की प्लानिंग थी। विभाग ने सभी कॉलेजों के प्राचार्यों को इसकी तैयारियां शुरू करने और मूल्यांकन के लिए तैयार रहने के लिए भी कहा है। उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार, संस्थाओं को समाज के प्रति जवाबदेह बनाने और युवा वर्ग के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए यह योजना शुरू की गई है। अब इस साल तक रैंकिंग देने की प्रक्रिया चल रही है।

ट्रेनिंग चल रही है, इसी साल रैंकिंग दे दी जाएगी

सरकारी कॉलेजों को रैंकिंग के लिए टीमों की ट्रेनिंग चल रही है। हमारी पूरी कोशिश है कि इस साल में ही रैंक दे दी जाए। इस दिशा में काम चल रहा है। -प्रदीप कुमार बोर्ड, आयुक्त, कॉलेज शिक्षा